राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल सरहद पर सैनिकों के साथ मनाएंगे नव वर्ष

जयपुर, 28 दिसम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ नव वर्ष मनाएंगे। राज्यपाल श्री मिश्र 29 दिसम्बर को जैसलमेर जाएंगे, जहां वे राजस्थान की सरहद पर जवानों के साथ 2019 को विदाई देगें और नव वर्ष 2020 का स्वागत करेंगे। राज्यपाल श्री मिश्र नये साल के पहले दिन दोपहर में जयपुर लौटेंगे।

पश्चिमी राजस्थान की पुरातन धरोहरों का अवलोकन करेंगे राज्यपाल – राज्यपाल श्री कलराज मिश्र राजस्थान भर में अपनी तरह की अनूठी व वास्तु सम्मित बस्तियों की संरचना वाले कुलधरा का अवलोकन करेंगे।

लोक सांस्कृतिक परम्पराओं से रू–ब–रू होगें राज्यपाल – राज्यपाल श्री कलराज मिश्र अपनी चार दिवसीय जैसलमेर यात्रा के दौरान विश्वविख्यात विरासतों का अवलोकन करने के साथ पश्चिमी राजस्थान की समृद्ध लोक सांस्कृतिक परम्पराओं से भी रू–ब–रू होंगे।

—

लोगों को मूल कर्तव्यों का ज्ञान कराने का अभियान चलाएं – राज्यपाल

जयपुर, 28 दिसम्बर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि लोगों को मूल कर्तव्यों का ज्ञान करायें जाने के लिए अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि मूल अधिकारों की तो सभी बात करते हैं, लेकिन मूल कर्तव्यों की जानकारी लोगों को करानी होगी।

राज्यपाल श्री मिश्र शनिवार को यहां उत्सव विद्याधर नगर, जयपुर में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि लोगों को सम्पर्क, सहयोग, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ आगे बढाना होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को भारतीयता के आधार पर आचरण करना होगा। भारत में भौगोलिक विविधता के साथ एकता है। सभी लोग भावनात्मक एकता के सूत्र में बंधे हुए हैं। देश को आगे बढाने में एकता महत्वपूर्ण होती है।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि राष्ट्र और समाज की जो भी उपलब्धियां विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त होती हैं, उनका बारीकी से प्रबुद्ध वर्ग आकलन करता है। एक तटस्थ परीक्षक की भांति परिणाम को कैसे और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकता है, इसके सुझाव भी देता है। समाज को सुसंस्कारित बनाना प्रबुद्ध व्यक्तियों का महत्वपूर्ण दायित्व है। एक संस्कारित भारत तभी बनेगा, जब नागरिक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करेंगे।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि लोगों के समक्ष समस्या और विषयों को सही परिप्रेक्ष्य में रखना, समझाना और समाज के ताने–बाने को ठेस न पहुंचने देना समाज की जिम्मेदारी मे शामिल होता है। यह सभी लोगों की बौद्धिक ही नहीं नैतिक दायित्व का हिस्सा है। समाज की समरसता को निहित स्वार्थ जब क्षति पहुंचाने लगते हैं तो, उससे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए किये जाने वाले प्रयास ना केवल समाज बल्कि हम सभी की विवेकशील भूमिका का यह एक अहम टेस्ट होता है। समारोह को भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता, रीजनल चेयरमैन श्री शांतिलाल पनगड़िया ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम की जानकारी संयोजक श्री रणवीर सिंह त्यागी ने दी और श्री हेमन्त जोशी ने आभार ज्ञापित किया।

डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा
सहायक निदेशक (जनसम्पर्क), राज्यपाल